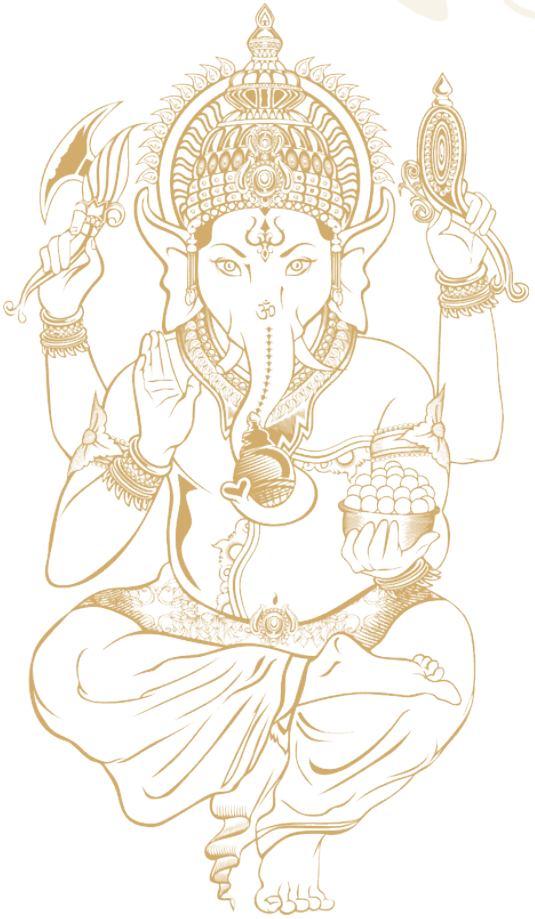

Mr.Kuldeep Kumar

18 Mar 1972

07:19 AM

Ganganagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121356802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/03/1972**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:19:00 घंटे**
इष्ट	01:34:59 घटी
स्थान	**Ganganagar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:54:00 उत्तर
रेखांश	73:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:44:44 घंटे
वेलान्तर	-00:08:06 घंटे
साम्पातिक काल	18:27:37 घंटे
सूर्योदय	06:41:00 घंटे
सूर्यास्त	18:44:10 घंटे
दिनमान	12:03:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:06:08 मीन
लग्न के अंश	16:31:47 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	16:31:47	519:21:23	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			मीन	04:06:08	00:59:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मेष	10:29:56	14:57:46	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	00:33:46	00:39:21	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
बुध			मीन	21:26:49	00:30:06	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु			धनु	12:40:51	00:06:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			मेष	18:43:23	01:05:45	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			वृष	08:03:46	00:04:47	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मक	10:16:57	00:07:27	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	10:16:57	00:07:27	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कन्या	23:36:49	00:02:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	---
नेप	व		वृश्चि	11:45:00	00:00:22	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
प्लूटो	व		कन्या	07:19:24	00:01:39	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			धनु	12:52:12	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:22

लग्न-चलित

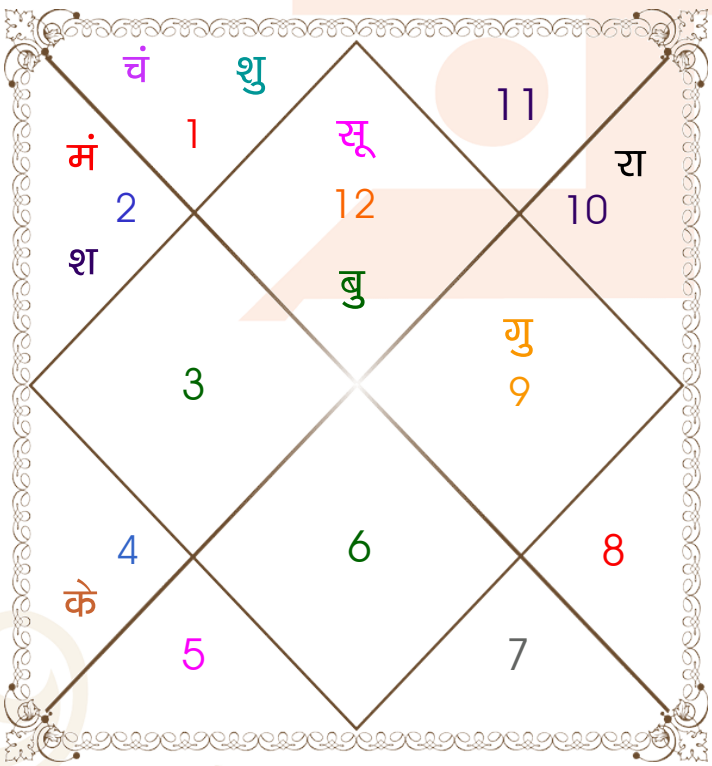

चन्द्र कुंडली

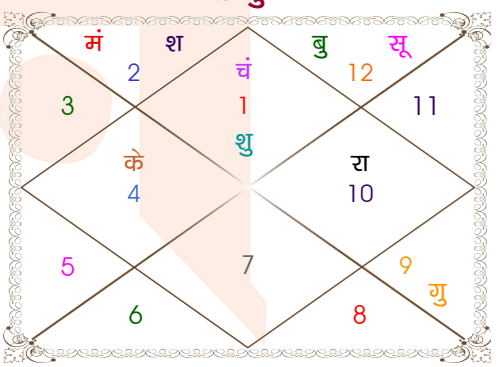

नवमांश कुंडली

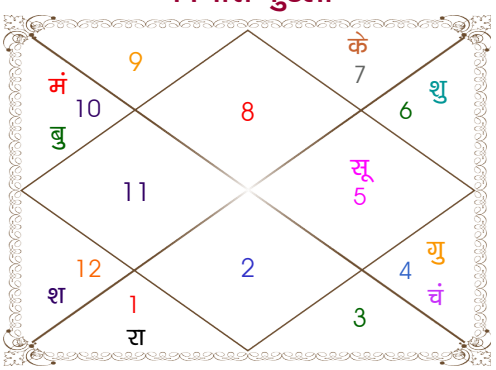

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 5 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/03/1972		12/09/1973		12/09/1993		13/09/1999		12/09/2009	
12/09/1973		12/09/1993		13/09/1999		12/09/2009		12/09/2016	
	00/00/0000	शुक्र	12/01/1977	सूर्य	31/12/1993	चंद्र	13/07/2000	मंगल	08/02/2010
	00/00/0000	सूर्य	12/01/1978	चंद्र	02/07/1994	मंगल	11/02/2001	राहु	27/02/2011
	00/00/0000	चंद्र	13/09/1979	मंगल	06/11/1994	राहु	13/08/2002	गुरु	03/02/2012
	00/00/0000	मंगल	12/11/1980	राहु	01/10/1995	गुरु	13/12/2003	शनि	14/03/2013
	00/00/0000	राहु	13/11/1983	गुरु	19/07/1996	शनि	13/07/2005	बुध	11/03/2014
	00/00/0000	गुरु	14/07/1986	शनि	01/07/1997	बुध	13/12/2006	केतु	07/08/2014
	18/03/1972	शनि	12/09/1989	बुध	08/05/1998	केतु	14/07/2007	शुक्र	07/10/2015
शनि	15/09/1972	बुध	13/07/1992	केतु	13/09/1998	शुक्र	14/03/2009	सूर्य	12/02/2016
बुध	12/09/1973	केतु	12/09/1993	शुक्र	13/09/1999	सूर्य	12/09/2009	चंद्र	12/09/2016

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/09/2016		13/09/2034		13/09/2050		12/09/2069		13/09/2086	
13/09/2034		13/09/2050		12/09/2069		13/09/2086		00/00/0000	
राहु	26/05/2019	गुरु	31/10/2036	शनि	15/09/2053	बुध	09/02/2072	केतु	09/02/2087
गुरु	19/10/2021	शनि	14/05/2039	बुध	25/05/2056	केतु	05/02/2073	शुक्र	10/04/2088
शनि	25/08/2024	बुध	19/08/2041	केतु	04/07/2057	शुक्र	07/12/2075	सूर्य	16/08/2088
बुध	14/03/2027	केतु	26/07/2042	शुक्र	03/09/2060	सूर्य	12/10/2076	चंद्र	17/03/2089
केतु	01/04/2028	शुक्र	26/03/2045	सूर्य	16/08/2061	चंद्र	14/03/2078	मंगल	13/08/2089
शुक्र	01/04/2031	सूर्य	12/01/2046	चंद्र	17/03/2063	मंगल	11/03/2079	राहु	31/08/2090
सूर्य	24/02/2032	चंद्र	14/05/2047	मंगल	25/04/2064	राहु	28/09/2081	गुरु	07/08/2091
चंद्र	25/08/2033	मंगल	19/04/2048	राहु	02/03/2067	गुरु	03/01/2084	शनि	18/03/2092
मंगल	13/09/2034	राहु	13/09/2050	गुरु	12/09/2069	शनि	13/09/2086		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 5 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।